

सहस्रंश प्रताप

पिय राजे को

हरन हे

२११६५१२०००

मातृभूमि की
स्वतंत्रता के लिए अपना
सर्वस्व उत्सर्ग करने वाले प्रणवीर प्रताप पर
तीन अंकों में लिखा गया
राष्ट्रीय नाटक

लेखक

रामकुमार वर्मा



प्रकाशक

रामनाराय ॥ लाल बेनी प्रसाद
प्रकाशक तथा पुस्तक-विक्रेता
इलाहाबाद-२